an>

Title: Need to enhance the honorarium given to ASHA workers in the country.

श्री नाना पटोले (भंडारा-गोंदिया) : माननीय अध्यक्ष महोदया, देश में स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले आशा वर्कर्स द्वारा दी जाने वाली विशेÂष सेवा के तहत ध्यान में रखना पड़ता है कि डिलीवरी के समय जच्चा-बच्चा स्वस्थ रहे। बाल मृत्यु न हो। माता मृत्यु न हो। बच्चा कुपोÂषण का शिकार न हो। आहार और दवा के साथ सही देखभाल के लिए मार्गदर्शन देना पड़ता है। इसके एवज़ में आशा वर्कर्स को वेतन के रूप में प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

यदि जन्म देने वाली महिला बीपीएल श्रेणी की है, वह तभी इस प्रोत्साहन राशि की हकदार होती है। जन्म देने वाली महिला का बीपीएल श्रेणी से न होने पर आशा वर्कर्स को प्रोत्साहन राशि से वंचित होना पड़ता है।

बीपीएल श्रेणी के संबंध में आप भी अच्छी तरह से वाक़िफ हैं कि इसमें कितनी त्रुटियाँ हैं। इसके बावजूद आशा वर्कर्स को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने में भेदभाव किया जा रहा है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूँ कि आशा वर्कर्स द्वारा दी जाने वाली विशेÂष सेवा को ध्यान में रखते हुए इन्हें दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि में बढ़ोत्तरी या उनकी सेवा रेगुलर किया जाए ताकि आशा वर्कर्स दक्षतापूर्वक तथा ईमानदारी से काम कर सकें।

माननीय अध्यक्ष : सर्व श्री कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल, भैरों प्रसाद मिश्र, भानु प्रताप सिंह वर्मा, डॉ. हिना विजयकुमार गावीत, डॉ. किरीट पी. सोलंकी, डॉ. संजय जायसवाल, ए. टी. नाना पाटिल, गजेन्द्र सिंह शेखावत, रामचरण बोहरा और डॉ. मनोज राजोरिया को श्री नाना पटोले द्वारा उठाये गये विÂषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय, मैं आपको पहले बोलने का मौका दे रही हूं क्योंकि आपका विÂषय भी वही है।

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : जी, मैडम। इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। टॉपिक सेम है, लेकिन मैं उसमें कुछ बातें जोड़ना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष : ठीक है, बोलिए।

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय : मैडम, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि वÂर्ष 2006 में आशा और आशा संगिनी स्कीम एनआरएचएम के तहत शुरू हुई। शिशु और मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए इससे बड़ा लाभ मिला। आज वर्ष 2016 तक बाल, शिशु और मातृ मृत्यु दर कम हुई है, लेकिन आज भी आशा और आशा संगिनी का जीवन नहीं सुधरा है। उन्हें प्रसव के पूर्व 300 रुपये और प्रसव के उपरांत 300 रुपये दिए जाते हैं। आयरन की गोली देने के लिए गांव की विजिट पर 250 रुपए दिए जाते हैं। आज के समय में 250 रुपये या 600 रुपये बहुत कम हैं। प्राइवेट नर्सिंग होम्स में जो लोग प्रसव के लिए जाते हैं, वहां बिना जरूरत के सिजेरियन ऑपरेशन के नाम पर हजारों रुपये उनसे लूटे जाते हैं। आशा और आशा संगिनी 24 घण्टे की ड्यूटी करती हैं। इनकी सुरक्षा की भी चिन्ता करनी पड़ती है। इनके काम से बहुत लाभ मिलता है, लेकिन इनको केवल 600 रुपये और 250 रुपये मिलते हैं। इसलिए इनकी मांग है कि एएनएम की तरह 1000 रुपये की जगह 10,000 रुपये प्रति महीने फिक्स कर दिया जाए। आशा और आशा संगिनी को आंगनवाड़ी सुपरवाइजर की तरह दर्जा दिया जाए, स्वास्थ्य विभाग अपनी तरफ से इनका जीवन सुरक्षा बीमा कराए और इनको हर तरह से सुविधाएं एवं प्रोत्साहन दे। मैं आपके माध्यम से आशा और आशा संगिनी के लिए यह मांग करता हूं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री चन्द्र प्रकाश जोशी, डॉ. मनोज राजोरिया, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं *18श्री रामचरण बोहरा को डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।